No. of Printed Pages : 4

MLI-101

MASTER OF LIBRARY AND INFORMATION SCIENCE (Revised)

00208

Term-End Examination

June, 2015

MLI-101 : INFORMATION, COMMUNICATION AND SOCIETY

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt **all** questions. All questions carry **equal marks**. Illustrate your answers with suitable examples and diagrams, wherever necessary. Write relevant question number before writing the answer.*

1.1 Define 'information'. Discuss its significance and importance in present day context.

OR

1.2 Enumerate the disciplines that have information as their core areas of studies. Discuss the scope of Information Studies as viewed by S.R. Ranganathan and B.C. Vickery.

2.1 What do you understand by 'sociology of knowledge' ? Discuss the scope of its subset 'sociology of literature'.

OR

2.2 What do you understand by diffusion of information ? Discuss the factors affecting it.

3.1 Discuss the impact of ICT on different sectors of the society.

OR

3.2 Discuss in detail the National Information Policy of India.

4.1 Explain the different perceptions of information society based on different criteria.

OR

4.2 State the functions of a knowledge professional. Discuss how a library and information professional can act as a knowledge professional.

5.0 Write short notes on any ***three*** of the following (in about 300 words each) :

(a) Semantic Information Theory

(b) Confidentiality of Digital Information

(c) Scope of Information Economics

(d) Ontology for knowledge sharing and reuse

(e) Virtual Private Network

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि (संशोधित)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2015

एम.एल.आई.-101 : सूचना, संचार तथा समाज

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***सभी*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के* ***अंक समान*** *हैं । अपने उत्तरों की पुष्टि के लिए उचित उदाहरण देते हुए आवश्यकतानुसार रेखाचित्रों का भी प्रयोग कीजिए । उत्तर लिखने से पूर्व सम्बन्धित प्रश्न संख्या अवश्य लिखिए ।*

1.1 'सूचना' को परिभाषित कीजिए । आज के संदर्भ में इसकी सार्थकता और महत्त्व की चर्चा कीजिए ।

अथवा

1.2 उन विषयों को परिगणित कीजिए जिनमें सूचना अध्ययन का क्रोड-क्षेत्र है । एस.आर. रंगनाथन तथा बी.सी. विकरी के दृष्टिकोण से सूचना-अध्ययनों के विषय-विस्तार की चर्चा कीजिए ।

2.1 'ज्ञान के समाजशास्त्र' से आप क्या समझते हैं ? इसके सबसेट 'साहित्य का समाजशास्त्र' के विषय-विस्तार की चर्चा कीजिए ।

अथवा

2.2 सूचना के विसार से आप क्या समझते हैं ? इसको प्रभावित करने वाले कारकों की चर्चा कीजिए ।

3.1 समाज के विभिन्न क्षेत्रों पर आई.सी.टी. के प्रभाव की चर्चा कीजिए ।

अथवा

3.2 भारत में राष्ट्रीय सूचना नीति की विस्तारपूर्वक चर्चा कीजिए ।

4.1 सूचना समाज के, विभिन्न मापदण्डों पर आधारित, विभिन्न अवबोधनों की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

4.2 ज्ञान व्यवसायी के कार्यों का उल्लेख कीजिए । पुस्तकालय एवं सूचना व्यवसायी किस प्रकार ज्ञान व्यवसायी के रूप में कार्य कर सकते हैं, चर्चा कीजिए ।

5.0 निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए (प्रत्येक पर लगभग 300 शब्दों में) :

(क) सिमैंटिक सूचना सिद्धांत

(ख) डिजिटल सूचना की गोपनीयता

(ग) सूचना अर्थशास्त्र का विषय-विस्तार

(घ) ज्ञान साझेदारी तथा पुन:उपयोग हेतु ऑंटोलॉजी

(ङ) वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क